

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर पुरस्कार

दिनांक 26 नवम्बर, 1987

क्रमांक 1350-ज-(2)-87/35427.—श्री शोभा चन्द, पुत्र श्री गोविन्द राम, निवासी गांव टिकान कलां, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1351-ज-(1)-73/22310, दिनांक 28 जुलाई, 1976 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री शोभा चन्द की दिनांक 24 अक्तूबर, 1985 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री शोभा चन्द की विधवा श्रीमती सरती देवी के नाम खरीफ, 1986 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अनुसार तबदील करते हैं।

दिनांक 3 दिसम्बर, 1987

क्रमांक 1371-ज-(1)-87/36278.—श्री चुनी लाल, पुत्र श्री बनेश्वरदास, निवासी गांव बानपुर राजपुताना, तहसील नारायणगढ़, जिला झज्जाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2390-ज-1-81/3018, दिनांक 21 जनवरी, 1981 द्वारा खरीफ, 1970 से खरीफ, 1973 तक 150 रुपये वार्षिक और रबी, 1974 से खरीफ, 1979 तक 200 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979, द्वारा 200 रुपये से बढ़ा कर 350 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री चुनी लाल की दिनांक 5 अप्रैल, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री चुनी लाल की विधवा श्रीमती विशेषरा के नाम खरीफ, 1984 से 350 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 9 दिसम्बर, 1987

क्रमांक 1337-ज(2)-87/36931.—श्री कर्मनारायण, पुत्र श्री तुलसी दास, निवासी मकान नं० 237, मोहल्ला तेखीवाड़ी, भिवानी, तहसील ब जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1468-र-III-70/10009, दिनांक 2 मई, 1970 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-अ-र-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री कर्मनारायण की दिनांक 11 नवम्बर, 1986 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री कर्मनारायण की विधवा श्रीमती मंगवीबाई, के नाम खरीफ, 1987 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अनुसार तबदील करते हैं।

सोमनाथ रत्न,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,

राजस्व (सेवा तथा जागीर) विभाग।